



मुकेश व रवि बने जपला मुख्य

डाकघर के पोस्टमैन

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हुसैनाबाद जपला मुख्य डाकघर के अंतर्गत सचालिन जोगा शाखा डाकघर में कार्रवात ग्रामीण डाक सेवक मुकेश कुमार एवं बराही शाखा डाकघर में कार्रवात ग्रामीण डाक सेवक रवि कुमार में 4 सितम्बर 22 को आयोगी विभागीय स्तर पर दोनों नवमवार्ष को घोषित परीक्षा परीक्षण में उत्तीर्ण होकर पोस्टमैन बने। इस सफलता पर डाक कर्मियों एवं पदाधिकारियों में खुशी आया है। इस सफलता पर डाक निरीक्षक सुमन कुमार समानता, अरविन्द कुमार ओझा, विनोद चौधरी, सन्तु मिंज, देवेन्द्र नाथ गुरा, श्रवण कुमार, शिवकुमार विश्ववर्मा, मनीष कुमार, अरुण सिंह, राजदेव राम, संजय कुमार, अभिषेक कुमार, संतोष ठाकुर, संरेख अग्रवाल, कैलास मेहता, रविकात सिंह सहित सभी डाक कर्मियों एवं शुभ वित्तकों ने हर्व व्यक्त किया है। मौके पर डाक निरीक्षक ने कहा कि आपकी नई-नई नौकरी है। इसी तरह विभागीय परीक्षा में शामिल होकर उच्च पदों को प्राप्त कर सकते हैं।

## विद्युत की चेपेट में आने से भैंस की मौत

विश्वामित्र। थाना क्षेत्र के बाई सख्ता उनीस के कोशियार गांव में बुधवार को विद्युत तार के चेपेट में आने से एक भैंस की बच्ची की मौत हो गई। घटना बुधवार शाम की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, एक घर के समीप बधे भैंस व उसके बच्चे के ऊपर बायक करते हुए कहा कि इस चालना का कारण बिजली विभाग की लंबर व्यवस्था है, जो बिल तो टाइम पर लेते हैं। पर पुराने वाकी नीचे लटके विद्युत तार को दुरुस्त करना मुनासिब नहीं समझते। वही गलिमत रही की इस तार के सपर्क में कोई व्यक्ति नहीं आया। वरना कोई बड़ा हादसा भी हो सकता था।

## बीड़ीओं ने कंबल का वितरण किया



संवादाता नावा। प्रखंड विकास पदाधिकारी मोहम्मद अमीर हम्मा ने बुधवार को अपने प्रखंड कार्यालय पहुंची। प्रखंड पहुंचकर उन्होंने बाना निवासी हस्तुनु बीं असहाय महिला का ठंड से बचने के लिए कंबल प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि प्रखंड क्षेत्र में असहाय, जलरत्मां, गरीब व राहगीर को ठंड से निजात के लिए हर उपयोग में द्वारा केले देकर सहयोग किया जायेगा। मौके पर कंप्यूटर औपरेटर धर्मेंद्र कुमार, संजय कुमार सहित कई लोग उपस्थित थे।

## चंदन कुमार सिंह बने पांकी बीड़ीओं

पांकी। बीड़ीओं चंदन कुमार सिंह ने बुधवार को अंचलाधिकारी एवं बीड़ीओं विभागीय कुमार से पदाधिकारी ग्रहण किया। नवपदस्थापित बीड़ीओं चंदन कुमार सिंह ने कहा कि पांकी प्रखंड कार्यालय में हाँ जलरत्मां को सरकारी योजनाओं का लाभ मिले यह मेरा प्रयास होगा। पांकी के अंचलाधिकारी निर्णय कुमार के पास पांकी बीड़ीओं व आपूर्ति पदाधिकारी के अंतरिक्ष प्रभार था।

## अध्यक्ष पद प्रत्याशी ने जनसंपर्क कर जाना लोगों का हाल

विश्वामित्र। नगर परिषद अंतर्गत वार्ड सख्ता 13 के कबलाशी, लकड़ी, लुरी-खुरी सहित कई अच्युतों में बुधवार को अव्यक्त प्रत्याशी नीता देवी अपने प्रत्यक्ष संजय कुमार बैठा व अन्य सहयोगियों के साथ श्रमण कर लोगों का हाल चाल जाना। साथ ही आगमी तीनों वाले चुनाव में लोगों से आशीर्वाद के रूप में बोट भी मार्ग। समाजसेवी संजय बैठा ने कहा कि मुझे अपने द्वारा किये गये सामाजिक कार्यों पर पूरा विश्वास है। मैंने जो इस क्षेत्र के लोगों लिए किया है। उसका आशीर्वाद इस नगर परिषद चुनाव में मेरी धर्म पती को जरूर मिलेगी। वहीं लोगों ने भी एक सुर्खी देवी की सहयोग करने का भरोसा देते हुए नरेवाजी कर उनका हाँसला अकर्जाई किया। उन्होंने कहा कि मुझे अपने द्वारा किये गये सामाजिक कार्यों पर पूरा विश्वास है। मैंने जो इस क्षेत्र के लोगों लिए किया है। उसका आशीर्वाद इस नगर परिषद चुनाव में मेरी धर्म पती को जरूर मिलेगी। वहीं लोगों ने भी एक सुर्खी देवी की सहयोग करने के लिए नये

## कर्नल स्पोर्ट्स फुटबॉल ट्रॉफीट मैच का उद्घाटन

## सड़ेया ने मोहम्मदगंज टीम को 2-1 से हराया







सालवे मुखिया ने निजी खर्च से जर्जर सड़क की कटाई नरन्नति

बारियातू। सालवे पंचायत के मुखिया सह मुखिया संघ के अध्यक्ष राजेव भगत ने बुधवार को निजी कौश से रहमत नगर (जुटाटाड) का आधा किमी जर्जर ग्रामीण सड़क को जेसीसी मरीन लगा कर करवाया दुरुस्त ग्रामीणों में खुपी जर्जर सड़क मरमत के संबंध में जानकारी देते हुए मुखिया भगत ने बताया कि रहमत नगर (जुटा टाड) के दर्जनों ग्रामीणों ने टोला के मुख्य सड़क वडा से जर्जर है जिस कारण हम ग्रामीणों को पंचायत एवं प्रखण्ड प्रशासन यात्रा सहित अन्य स्थानों पर आने जाने में काफी दूरी है। जिसे लेकर ग्रामीणों ने सड़क को दुरुस्त कराने की मांग किया था। तत्काल सरकार का कोई फैद न रहने के कारण मैं अपने निजी कौश से जेसीसी मरीन के माध्यम से लगभग आधा किमी जर्जर सड़क को मरमत कराया गया। मौके पर समाज सेवा मोलियाना पर, मुकेश गंगू, मो शमीम, फौजदार गंगू, बीरबल गंगू, मो मकसुद, प्रभु गंगू, वार्ड सदर्य तेजु गंगू सहित कई लोग मौजूद रहे।

### सड़क निर्माण कार्य की रक्षी आधारशिला

बरवाडी। प्रखण्ड मुख्यालय में पंचायत के मुखिया कालो देवी ने बुधवार को सादे समारोह में प्रखण्ड के पंचमुखी मंदिर के नीचे बनने वाली पीसीसी सड़क किरण का अधारशिला रखी। जानकारी के अनुसार मुखिया कालो देवी ने वित्त आयोग मद से डॉक्टर प्रेमचंद घर से अशोक कुमार के घर तक बनने वाली पीसीसी पथ का कार्यालय का अनावरण व भूमि पूजन कर सड़क निर्माण का शिलान्वास किया। मौके पर मुखिया श्री देवी ने कहा कि चाक मुख्यालय के पंचायत मुख्यालय के विभिन्न क्षेत्रों के आवश्यकतानुसार सभी सड़कों का वराहबद्ध तरीके से निर्माण कार्य कराया जाएगा। मौके पर निर्माण कार्य के अध्यक्ष नारेंद्र प्रसाद गुरा, सचिव संजय कुमार, रविंद्र पासवान, रविंद्र पासवान, सुमील कुमार परिष, अनिल कुमार, बैजनाथ राम, संजय कुमार समेत कई लोग प्रविष्ट थे।

### बीड़ीओं ने की योजनाओं की समीक्षा, दिये कई आवश्यक दिशा-निर्देश

गिर्दीर (चतरा)। बुधवार को गिर्दीर प्रखण्ड कार्यालय सभागार में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी संजीत कुमार सिंह ने प्रखण्ड कर्मियों व मनरेगा कर्मियों के साथ बैठक कर योजनाओं की समीक्षा की। बैठक में उपरिथ रोजगार सेवकों को जमकर फटकार लगाते हुए कहा कि रोजगार सेवकों को खील में रहे और ज्ञान से ज्ञान मरणा मजहबीनों को काम दें। साथ ही मरणा से संचालित सभी पुरुष योजना को जांच कर अभियंत्र बंद करने का निर्देश दिया है। बैठक में पंचायत सेवकों को प्रधानमंत्री आवास में तेजी लाने का निर्देश दिया है। बैठक में शीर्षीओं अंजय कुमार सिन्हा, जर्जे राजनीदत शर्मा, पंचायत सचिव चितरंजन शर्मा, मिथलेश कुमार सिंह, महेश मिस्सी, उजलव सिंह, रोजगार सेवक गोविंद दारी, रोहित यादव, रुषांता कुमार, टेकारायण राम, सुनील कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

### अवैध बालू खनन का आरोपी को नोजा गया जेल

गिर्दीर (चतरा)। बुधवार को गिर्दीर प्रखण्ड कार्यालय सभागार में अवैध रूप से बालू खनन करने के आरोपी को पुलिस ने गिर्दीर थाना क्षेत्र से गिरफतार कर जेल भेज दिया। गिरफतार आरोपी थाना के द्वारा गांव निवासी गोविंद यादव है। अप्रियं नाम से थाना प्रभारी मोनज कुमार पाल, अवर निरीक्षक टिक्कानद भानू व विजय कुमार गुरा आदि शामिल थे।

### सड़क दुर्घटना में एक की मौत

सिपरिया (चतरा)। बुधवार को सिपरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत बन्धे निवासी उठीन मिया की भौत सड़क दुर्घटना में हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक अब इमरगन की अध्यक्षता में निवासी जाहेर ने अपने घर जा रहे थी पीछे से एक 407 वाहन ने टक्कर मार दी और वह गंभीर रूप से घायल हो गए, तो परिजन वंच ग्रामीणों ने तुरत रेफर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांचपत्र रखा और उपरिथ कर दिया। उसके बाद पुलिस शब को बढ़ावा देते हुए उनके लिए सदर अस्पताल चतरा भेज दीया।

### निबंधन पदाधिकारी के कार्य प्रणाली से भूम्भ दस्तावेज नवीसों ने किया कार्य का बहिष्कार

चतरा। प्रभारी निवधन पदाधिकारी अमरजीत सिंह बलहोत्रा के तानशाह रेखे से भूम्भ दस्तावेज नविस संघ ने मंगलवार से किया कार्य बहिष्कार। जिससे चतरा में निवधन का कार्य टप पड़ गया है। दस्तावेज नवीसों ने बताया कि सभी कागजात रहते हुए पदाधिकारी नहीं करते हैं तो निवधन। आगे बताया कि निवधन निवधिकारी के विरुद्ध ट्रिटीन निकालकर इक्के द्वारा काम लाभात्र किया जाता है। जिस नियम और कागजात का हवाला देकर एक नवीस का काम रोकते हैं, उसी कागजात पर दूसरे निवधन का काम कर दे रहे हैं। दस्तावेज नवीसों ने बताया कि ये एक तो सहानुभूति देते हैं। ऊपर के नियम विरुद्ध कार्य करते हुए काम लेकर करते हैं। साथ ही कहा कि विभाग अपना रजिस्ट्रेटर भेजे तो किंवदं जारी करते हैं।

सिपरिया (चतरा)। बुधवार को सिपरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत बन्धे निवासी उठीन मिया की भौत सड़क दुर्घटना में हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक अब इमरगन की अध्यक्षता में निवासी जाहेर ने अपने घर जा रहे थी पीछे से एक 407 वाहन ने टक्कर मार दी और वह गंभीर रूप से घायल हो गए, तो परिजन वंच ग्रामीणों ने तुरत रेफर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांचपत्र रखा और उपरिथ कर दिया। उसके बाद पुलिस शब को बढ़ावा देते हुए उनके लिए सदर अस्पताल चतरा भेज दीया।

केंद्रीय विद्यालय परिसर में अतिक्रमण पर प्रसाशन ने चलाया बुलडोजर

चतरा। सिपरिया के केंद्रीय विद्यालय परिसर में अतिक्रमण करने वाले लोगों के खिलाफ प्रसाशन ने बुधवार को आखिरकार बुल्डोजर और ग्रामीणों को अनसुनी कर रहे थे। हृदय तो तब हो गई जब विद्यालय परिसर के अंदर प्रकाश नामक एक शख्स शुरू कर दिया। करीब एक घंटे तक चले इस कार्रवाई के बाद पूरा परिसर अतिक्रमण मुक्त हो गया।

नवीन मेल संवाददाता

चतरा। बुधवार को समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में उपायुक्त अबु इमरगन की अध्यक्षता में जिला योजना अन्तर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गयी। जिसमें कार्यालय के विभिन्न क्षेत्रों के अध्यक्षों और अध्यक्षों के अध्यक्षों ने अपने घर जाने की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गयी। जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के अध्यक्षों ने अपने घर जाने की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गयी।

नवीन मेल संवाददाता

चतरा। बुधवार को समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में उपायुक्त अबु इमरगन की अध्यक्षता में जिला योजना अन्तर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गयी। जिसमें कार्यालय के विभिन्न क्षेत्रों के अध्यक्षों और अध्यक्षों के अध्यक्षों ने अपने घर जाने की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गयी। जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के अध्यक्षों ने अपने घर जाने की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गयी।

नवीन मेल संवाददाता

चतरा। बुधवार को समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में उपायुक्त अबु इमरगन की अध्यक्षता में जिला योजना अन्तर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गयी। जिसमें कार्यालय के विभिन्न क्षेत्रों के अध्यक्षों और अध्यक्षों के अध्यक्षों ने अपने घर जाने की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गयी। जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के अध्यक्षों ने अपने घर जाने की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गयी।

नवीन मेल संवाददाता

चतरा। बुधवार को समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में उपायुक्त अबु इमरगन की अध्यक्षता में जिला योजना अन्तर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गयी। जिसमें कार्यालय के विभिन्न क्षेत्रों के अध्यक्षों और अध्यक्षों के अध्यक्षों ने अपने घर जाने की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गयी। जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के अध्यक्षों ने अपने घर जाने की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गयी।

नवीन मेल संवाददाता

चतरा। बुधवार को समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में उपायुक्त अबु इमरगन की अध्यक्षता में जिला योजना अन्तर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गयी। जिसमें कार्यालय के विभिन्न क्षेत्रों के अध्यक्षों और अध्यक्षों के अध्यक्षों ने अपने घर जाने की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गयी। जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के अध्यक्षों ने अपने घर जाने की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गयी।

नवीन मेल संवाददाता

चतरा। बुधवार को समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में उपायुक्त अबु इमरगन की अध्यक्षता में जिला योजना अन्तर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गयी। जिसमें कार्यालय के विभिन्न क्षेत्रों के अध्यक्षों और अध्यक्षों के अध्यक्षों ने अपने घर जाने की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गयी। जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के अध्यक्षों ने अपने घर जाने की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गयी।

नवीन मेल संवाददाता

चतरा। बुधवार को समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में उपायुक्त अबु इमरगन की अध्यक्षता में जिला योजना अन्तर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गयी। जिसमें कार्यालय के विभिन्न क्षेत्रों के अध्यक्षों और अध्यक्षों के अध्यक्षों ने अपने घर जाने की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गयी। जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के अध्यक्षों ने अपने घर जाने की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गयी।





# देश में चिकित्सा का अनैतिक व्यापार

## ਬਿਜਲੀ ਖਾਰੀਦਨੇ ਕੇ ਪੈਸੇ ਨਹੀਂ

**जिस** झारखंड के कोयले को बदलत देशभर के पावर प्लांटों में उत्पादन है, उस झारखंड में बिजली का बड़ा संकट खड़ा हो गया है। राज्य में कोयला पर आधारित एकमात्र बिजली उत्पादक संयंत्र तेनुघाट विद्युत निगम लिमिटेड (टीवीएनएल) से बमुशिकल राज्य की कुल बिजली जरूरतों का 15 से 20 फीसदी ही उत्पादन हो पाता है। रांची के सिकिंदरी में एक हाईडल पावर प्रोजेक्ट भी है, लेकिन यह इन दिनों पूरी तरह ठप है। ऐसे में झारखंड अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए 85 फीसदी बिजली सेंट्रल पूल और डीवीसी, आधुनिक पावर, इनलैंड पावर जैसी कंपनियों से खरीदता है। अब मुशिकल यह है कि राज्य में बिजली साप्लाई करनेवाली कंपनी जेबीवीएनएल (झारखंड बिजली वितरण निगम लि.) के पास डिमांड के अनुसार बिजली खरीदने को पैसे नहीं हैं। निगम ने इस संकट से उबरने के लिए राज्य सरकार को त्राहिमाम संदेश भेजकर पांच सौ करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता की मांग की है। आलम यह है कि राज्य के सभी इलाकों में पिछले एक हफ्ते से जबर्दस्त बिजली कटौती हो रही है। रांची, जमशेदपुर, धनबाद, हजारीबाग, डालटनगंज, गिरिडीह, बोकारो सहित ज्यादातर शहरों में छह से सात घंटे की कटौती की जा रही है। ग्रामीण

देश के आम नागरिक के आर्थिक और सामाजिक हितों की रक्षा के लिए आज पूरा चिकित्सा तंत्र एक बड़े परिवर्तन की मांग कर रहा है। चिकित्सा शिक्षा में प्रवेश का द्वार ही पैसे की प्रार्थनिकता से खुलता है। समय-समय पर चिकित्सा शिक्षा में प्रवेश को लेकर अनियमितताओं की शिकाय मिलती रही हैं। मध्य प्रदेश चर्चित व्यापम घोटाले के बालगा था कि आने वाले समय में देश का चिकित्सा क्षेत्र साफ-सुथरा हो सकेगा। मगर इसी राज्य से एक बाफिर नर्सिंग घोटाले की गूंज सुनाई दे रही है।

**विश्व स्वास्थ्य संगठन** पहले से कहता आ रहा है कि भारत सहित एशियाई देशों के दस फीसद से अधिक दवा उत्पाद नकली हैं। मगर राजधानी दिल्ली सहित देश के महानगरों में मानक रहित गुणवत्ताहीन औषधियों के थोक विक्रय बाजार निर्मित हो चुके हैं। दवा माफिया इन बाजारों को संचालित कर रहा है। भारत के संविधान में स्वास्थ्य को मौलिक अधिकार का दर्जा दिया गया है। मगर देश का नागरिक स्वास्थ्य को लेकर सर्वाधिक प्रताड़ित है। स्वास्थ्य परीक्षण से लेकर दवाओं के निर्माण तक पूरा क्षेत्र अविश्वसनीयता से भरा पड़ा है। एक सर्वेक्षण के अनुसार अनायास आए स्वास्थ्य और दवाओं के खर्चों के कारण देश के तीन करोड़ लोग प्रतिवर्ष गरीबी रेखा के नीचे चले जाते हैं। देश के आम नागरिक के आर्थिक और सामाजिक हितों की

रक्षा के लिए आज पूरा चिकित्सा तंत्र एक बड़े परिवर्तन की मांग कर रहा है। चिकित्सा शिक्षा में प्रवेश का द्वारा ही पैसे की प्राथमिकता से खुलता है। समय-समय पर चिकित्सा शिक्षा में प्रवेश को लेकर अनियमितताओं की शिकायतें मिलती रही हैं। मध्य प्रदेश में चर्चित व्यापम घोटाले के बाद लगा था कि आने वाले समय में देश का चिकित्सा क्षेत्र साफ-सुथरा हो सकेगा। मगर इसी राज्य से एक बार फिर निसिंग घोटाले की गूंज सुनाई दे रही है। महंगी शिक्षा और निजी चिकित्सा शिक्षा संस्थानों की अनैतिक वसुली के चक्रव्यूह से निकल कर चिकित्सा पेशा अपनाने वालों से समाजसेवा की उम्मीद बेमानी है। भारत में मरीज परीक्षण शुल्क का कहीं कोई पैमाना नहीं है। पहली बार शुल्क अदा करने के बाद मरीज कितने समय तक निशुल्क परामर्श ले सकता है,

इसका निर्धारण भी इस सेवा क्षेत्र में नहीं है। देश में अधिकतर चिकित्सक दूसरे दिन से ही मरीज से फिर परामर्श शुल्क की मांग करने लगते हैं। पैथोलाजी जांचों में सरकारी स्तर पर दर निर्धारण का अधिकार जिला स्वास्थ्य अधिकारी को होता है। मगर देश के अधिकांश जिलों में वर्षों से नई दरें लागू नहीं हुई हैं। जिले के चिकित्सा अधिकारी भी इस कर्तव्य को भूल चुके हैं। अधिकतर निजी पैथोलाजी में जांच दरें महंगी होने की वजह उनके संचालकों को हर जांच में कमीशन का एक हिस्सा चिकित्सकों को देना होता है। दूसरी तरफ, देश में दवाओं के निर्माण से लेकर उनके विक्रय तक पूरा उद्योग विसंगतियों से भरा पड़ा है। दवाओं की गुणवत्ता परखने वाली त्वरित प्रयोगशालाओं की कमी है। देश की जनसंख्या, दवाओं के निर्माण और खपत के आधार पर इनके विस्तार पर

सरकार ने ध्यान ही नहीं दिया है। देश में मात्र तीन दवा परीक्षण प्रयोगशालाएँ हैं, जहां से परीक्षण रिपोर्ट कम से कम छह माह की अवधि में मिलती है। राज्यों में दवा निरीक्षकों के सतर फीसद पद खाली हैं, इसलिए दवाओं की दुकानों पर अब नियमित जांच नहीं होती। अफ्रीकी देश गांधिया में छियासठ बच्चों की मौत के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत की दवा कंपनी द्वारा बनाई खासी की दवा की गुणवत्ता को लेकर चेतावनी जारी की। उसके बाद भारत सरकार ने आरोपित कंपनी के उत्पादों की जांच के आदेश देने में लगभग महीने भर का समय लगा दिया। इसके पहले भी देश के जम्मू-मुंबई और गुरुग्राम में नकली उत्पाद से बच्चों के बीमार होने और मौत के मामले सामने आ चुके हैं। मगर कोई भी जांच सजा के मुकाम तक नहीं पहुंच सकी है। विश्व स्वास्थ्य

संगठन पहले से कहता आ रहा है कि भारत सहित एशियाई देशों के दस फीसद से अधिक दवा उत्पाद नकली हैं। मगर राजधानी दिल्ली सहित देश के महानगरों में मानक रहित गुणवत्ताहीन औषधियों के थोक विक्रय बाजार निर्मित हो चुके हैं। दवा माफिया इन बाजारों को संचालित कर रहा है। ईडियन मेडिकल एसोसिएशन ने कुछ वर्ष पहले केंद्र सरकार को भेजी रिपोर्ट में कहा था कि भारत में नकली दवा का कारोबार पैंतीस फीसद तक जा पहुंचा है। कमीशन और सस्ती निविदाओं के माध्यम से इन दवाओं की पहुंच सरकारी दुकानों तक हो चुकी है। मगर सरकारों की तरफ से कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हो सकी। भारत विश्व में सबसे बड़ा जेनेरिक दवाओं का निर्माता देश होने के साथ विश्व का तीसरा बड़ा दवा नियर्तक है।

■ विनोद के. शाह

# एडमिनों की डिक्टेटरशिप

गौ | तम बुद्ध को पीपल के नीचे तो कुछ लोगों को देसी शराब कंडा  
भट्टी, पान की दुकान, चाय के बहाने लंबी-लंबी फेंकने वालों का  
चौपालों पर बैठे-बिठाये लोकल से लेकर ग्लोबल तक का ठन-ठन गोपाल  
वाला ज्ञान प्राप्त हो जाता है। इसी ज्ञान के सहारे वे गीढ़ों, कौओं, गधों  
के सरदार बन वाटस्सप, टेलिग्राम, इंस्टाग्राम और अन्य सांशेल मीडियम  
का संचालन करते हैं। उनके अधकचरे ज्ञान को न मामने वाले अडियल  
बुद्धिजीवियों को समूह के सदस्यों द्वारा धोबी पछाड़ के मानिंद बड़ी तबियत  
से धोया जाता है। ऐसे ही किसी समूह का मैं भी सदस्य हुआ करता था।  
बाद में समूह के एडमिन उर्फ कॉपी, पेस्ट, फॉरवर्ड के सुल्तान के चेले  
चपाटों ने तबियत से हमारी ब्लास्ट ली। या यूँ कहिए ‘बिन मिले हम धुले’  
की स्कीम का पूरा-पूरा मजा चखाया। हुआ यूँ कि एक दिन हम पान खाना  
वालों पर कर्मेण्टिया गये। हमें क्या पता समूह में एक से एक पहुँचे हुए  
पान खेवकड़ थे। कहते हैं न कुछ छात्रों अनुभव से सीखी जाती हैं। आज  
मैं भी इस अनुभव की पाठशाला का छात्र बनने जा रहा था। बात पान  
गली से शुरू होकर तंबाकू मोहल्ला, चरस कॉलोनी, गांजा गंज, मधुशाला  
मार्केट तक पहुँच गयी। उस दिन हमने पहली बार जाना कि राई का पाठ्यक्रम  
कैसे बनाते हैं। हमने पान के बारे में कुछ जानकारी वीकिपीडिया से तेज़  
कुछ अपने शोध संदर्भों से इकट्ठा कर भानुमति का कुनबा जोड़ने का  
प्रयास किया। हमें क्या पता था कि समूह में सब के सब सुधीर चौधर्य  
बने हमारा डिएनए-डिएनए खेलेंगे। समूह के एक सदस्य ने वेद, पुराणा  
उपनिषद, ब्राह्मण ग्रंथ खंगालकर ऐसे-ऐसे उद्धरण रख डाले जिससे यह  
स्पष्ट होता था कि नशा करने वाला सही बाकी सब गलत है। शिव जैसी  
की भांग, अप्सराओं का सुरा बिंदु छिड़काव इसी तथ्य को प्रमाणित क

रहे थे। एक सदस्य ने कहा पान का तंबाकू के बिना कोई औतित्य नहीं है। उन्होंने इसकी एक लंबी फेहरिस्त हमारे मुँह पर मारते हुए बोले - तंबाकू, जब तक पान के साथ है तब तक समाज धुआँ मुक्त रह सकता है। ठीक उसी तरह जब तक तुम हमारी हाँ में हाँ मिलाये मिमियाओंगे तब तक तुम्हारी खेर है। वरना पान मसाला, तंबाकू, सुपारी और बुझे हुए चूने का मिश्रण, मैनपुरी तंबाकू, मावा, तंबाकू और बुज्जा हुआ चूना, चबाने योग्य तंबाकू, सनस, मिश्री, गुल, बज्जर, गुढ़ाकू, क्रीमिदार तंबाकू पाउडर, तंबाकू युक्त पानी की तरह खेनी बना दिये जाओंगे। वह कहते हैं न जब गीदड़ की मौत आती है तो वह शहर की ओर दौड़ता है। मेरी हालत भी यही थी। मैंने नासमझी में उन्हें जलाने वाली बात कह दी। चीजें चलकर राख होती हैं लेकिन इन्सान जलकर अहकरी हो जाता है। उन्होंने कहा - तुम अपने आपको बड़ा बुद्धिजीवी मानते हो। तुम्हारे जैसे बुद्धिजीवी टैक्स की चोरी कर देश का भट्टा लगाने में तुले हैं। वह तो हम हैं जो बीड़ी, सिगरेट, सिगार, चुट्टी, धूमटी, पाइप, हुकली, चिलम, हुकका पी-पीकू देश की आर्थिक व्यवस्था सुधारते हैं। सरकार की आज्ञा से बनाई गई महंगी टैक्स वाली चीजों का सेवन कर हम सच्ची देशभक्ति निभाते हैं। हम लड़खड़ायेंगे, डगमगायेंगे या फिर धुआँ हो जायेंगे लेकिन अपने जीते जी देश की शान पर आँच नहीं आने देंगे। ऐसे देशभक्तों के बीच कहीं देशनिकाला न हो जाए इस डर के मारे हाथ जोड़कर शाष्ट्रांग दंडवत किया और कहा - निकलना खुल्द से आदम का सुनते आये थे लेकिन, बहुत बेआबरू हो कर तेरे कूचे से हम निकले।

■ डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उत्तम'  
मो. नं. 73 8657 8657

# गुम होती संवेदनाये

ह म भी उसके साथ कदम मिलाकर चल रहे हैं। पर इतनी भी रफ्तार ठीक नहीं, कि आराम करने का मौका ही न मिले! अजकल मोबाइल और इंटरनेट का सुगा है। हर कोई व्यस्त दिख रहा है। अपनी निजता और अभिव्यक्ति की आजादी का हवाला देकर हर कोई दूसरे की जबाब बद कर देता है। घटों मोबाइल के सामने समय बिताना एक चलन बन गया है। हालत यह है कि अब रिश्ते भी इसी पर ही अच्छे लगने लगे हैं। सोशल मीडिया के अलग-अलग मच फेसबुक, वाट्सऐप, इंस्टाग्राम, ईमेल आदि ने मानो वह फरमान जारी कर दिया है कि अब लोगों को आपस में प्रत्यक्ष मिलने की ज़रूरत ही नहीं है। आप अपने स्मार्टफोन से हर ज्ञान, मनोरंजन, भावानाएं, सुख-दुख जैसी तमाम आवश्यकताएं यों ही पूरी कर सकते हैं। लेकिन यह ध्यान रखने की ज़रूरत है कि संवेदनाएं, सहानुभूति, संवाद, सहयोग, स्वीकृति, प्यार के लिए परिवार, समाज, रिश्तों का एक विशेष स्थान है। इसकी जगह कोई भी मशीन, भौतिक चीज, मोबाइल, कंप्यूटर नहीं ले सकता है। कुछ समय पहले एक सज्जन की पत्नी का निधन हो गया। वे बहुत दिनों से बीमार थीं। उनकी तबियत के बारे में जानकारी अक्सर सोशल मीडिया पर साझा की जाती थी। उसमें हजारों टिप्पणियां लिखी जाती हैं—‘मैंने तो जानकारी नहीं लिया और उसमें

ज्जन का जी हल्का हो है थे कि उनका सोशल नज़र में ये बातें आम हो चुकी हैं। बहुसंख्यक आबादी तो इसी लत और नशे में चूर है। अब सबको सतर्क होना पड़ेगा कि डिजिटल दुनिया के जाल में फंस कर अपने समय और रिश्ते, दोनों को ही लोग खो न दें। स्क्रीन पर क्षणिक सुख तलाशने के चक्कर में जीवन के उत्पादक समय को गंवा न दें। अपने नैनिहालों के हिस्से का समय और प्यार तो किसी भी सूरत में उन्हें देना ही पड़ेगा। तभी भविष्य में ऊर्जावान और काबिल पीढ़ियां पुष्टि-पल्लवित हो सकेंगी। बात सिर्फ यह नहीं है कि हर जानने वाले से प्रत्यक्ष मुलाकात हुई ही हो। हर आदमी की परिस्थितियां अलग हैं। जिंदगी में सबकी अपनी व्यस्तताएं हैं, अलग तरह की समस्याएं हैं। लेकिन कुछ वर्षों में सोशल मीडिया की आड़ में रिश्तों का धड़ल्ले से डिजिटलीकरण किया जा रहा है, जो एक इंसानी जीवन और स्वरक्ष समाज के लिए उचित नहीं कहा जा सकता। सही है कि डिजिटल मीडिया ने हमारा जीवन बहुत आसान बना दिया है। सूचना, ज्ञान, नई बातें आदि अनेक क्षेत्रों में क्रांति आई है इससे। पर आज हमारी नासमझी या दूसरों को देखकर नकल करने की आदत, बाजार का दबाव या कुछ और, सबने हमसे हमारी सबसे बड़ी ताकत- रिश्तों की अहमियत- को बौना साबित कर दिया है।

■ प्रम प्रकाश

## संपादक के नाम पाठकों की पाती बढ़े सहजी वाचाप की आवश्यकता

य ह शहर काफी पुराना है। यहां पहले सब्जी बाजार और पुराना खस्सी मार्केट लगभग एक ही जगह पर थे। बाद में खंस्सी मार्केट वहां कई वर्षों तक लगता रहा फिर बाद में वह भी वहां से खत्म हो गया है। हमीदगंज में भी एक खस्सी मार्केट हुआ करता था वह भी अब वहां पर नहीं रहा। अब वह नाम की ही खंस्सी मार्केट है। शहर की बढ़ती हुई आबादी व इसके क्षेत्रफल के कारण अभी सब्जी बाजार सतार सेठ चौक से लेकर मनी टेलर तक पहुंच गया है। पहले यह क्षेत्र मुहुर्हों में आया करता था। वही मांस का मार्केट एक जगह नहीं होकर कई चौक-चौराहों पर दिखाया देने लगा है। शहर के कई स्थानों पर लोग सुविधा के अनुसार सब्जी बाजार लगाया लगे हैं। उनमें से गांधी मैदान के समीप, सुदना गायत्री मंदिर रोड में पीपल के पास जेलहाटा चौक सोहसा बस मालिक के आवास के सामने, बैरिया चौक, सिंचाई विभाग रेडमा पुराना रांची रोड आदि जगहों पर सब्जी बाजार लगता है। मैं आपके लोकप्रिय हिंदी दैनिक समाचार पत्र के माध्यम से निगम व प्रशासन से आग्रह करता हूं विश्व शहरी क्षेत्र के लिए बढ़ती हुई आबादी के कारण एक सब्जी बाजार की आवश्यकता है। साथ ही मांस - मछली के लिए एक मार्केट की आवश्यकता पुराने खस्सी मार्केट की तरह की जरूरत है। कई बार सब्जी बाजार के कन्नीराम चौक पर सुबह 11-12 बजे थोक सज्जियों के टैम्पू व जीप से आने के कारण यहां पर जाम की स्थिति हो जाती है। इसलिए थोक सब्जी व्यापारियों के लिए खदान

३ सज्जा व्यापारया क लिए खुदरा

ਪੰਜਾਬ ਸਰਕਾਰ ਕੋ ਕਾਨੂੰਨ ਵਿਵਦਾ ਸ਼ਾਮਲ ਕਰਨ ਵਿਖੇ ਪ੍ਰਤਿ ਗੱਮੀਰ ਹੋਣਾ ਹੋਗਾ।

**पा** | किस्तान देश में अशांति के लगातार प्रयत्न कर रहा। युद्ध लड़ने की क्षमता एवं साधन-सुविधाओं का वैसे भी अब युद्ध मैदानों में सैनिकों से नहीं, भितरघात करने की हत्या कर लड़ा जाता है। सीने पर वार नहीं, पीठ में छुलड़ा जाता है। देश की कृषि एवं महापुरुषों की शांति भूमि रक्तकारणों से हिंसा, आतंकवाद एवं नशे की भूमि बन गयी है। आम आदमी पार्टी की सरकार बनी है, हिंसा, हथियारों एवं उर्वरा भूमि बनकर जीवन की शांति पर कहर ढहा रही है तेजी से पनप रही बंदूक एवं नशे की संस्कृति चिन्ता का रही है। निर्देष लोग मारे जा रहे हैं और अधिकांश लोग न रहे हैं। हथियारों का खुला प्रदर्शन और खूनखाराबा आम बह है। इस प्रकार यह हथियारों की श्रृंखला, नशे का नंगा नाच, कृत्य अनेक सवाल पैदा कर रहे हैं। कुछ सवाल लाशों के गये। कुछ समय को मालूम है, जो भविष्य में उद्घाटित हो पीछे किसका दिमाग और किसका हाथ है? आज करोड़ों देश के दिल और दिमाग में यह सवाल है। क्या हो गया है हम को? पिछ्ले लम्बे दौर से हिंसा रूप बदल-बदल कर अपनी दिखाती है—विनाश और निर्देष लोगों की हत्या का। निर्देषों कोई पर्याप्त लकड़ी नहीं। कोई लैनी-जानी नहीं। परं निर्देष तब सम

पूरा देश घायल होता है। पंजाब की घायल अवस्था पर आम आदर्म पार्टी सरकार जागी है, प्राथमिक तौर पर ही सही, उसने पहला कदम तो यह उठाया कि हिंसा को बढ़ावा देने वाले गीतों और हथियारों के प्रदर्शन पर रोक लगा दी। अब सार्वजनिक स्थानों पर हथियारों के प्रदर्शन नहीं किया जा सकेगा। यानी सार्वजनिक समारोह, धार्मिक स्थलों, शादियों और इसी तरह के आयोजनों में हथियारों के प्रदर्शन और इस्तेमाल पर रोक रहेगी। संभावना है कि सरकार की जागरूकता से जटिल होते पंजाब के हालात सुधरेंगे। पंजाब सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता उन विद्रोही खूनी हाथों को खोजना होना चाहिए जो शांति एवं अपन के दुश्मन हैं। सरकार को इस काम में पूरी शर्ति और कौशल लगाना होगा। आदमखोरों की मांद तक जाना होगा अन्यथा हमारी पंजाब की सारी खोजी एजेंसियों की काबिलीयत पर प्रश्नचिन्ह लग जायेगा कि कोई दो-चार व्यक्ति कभी भी पूरे प्रांत की शांति और जन-जीवन को अस्त-व्यस्त कर सकते हैं। कोई उद्योग व्यापार ठप्प कर सकता है। कोई सासन प्रणाली को गुंगी बना सकता है। इसलिये सरकार का सारा जोर हथियारों पर रोक को लेकर है क्योंकि राज्य में तेजी से पनप रही बंदूक संस्कृति ने सरकार की नींव उड़ा दी है। छोटे-मोटे विवादों में भी लौग आवश्यक है और दृष्टियों का दृष्टियोग्य करने से नहीं ज़कर है। ऐसे विवाद दृष्टियों में आ जाते हैं और

बदलते देर नहीं लगती और इसका नतीजा उसी खूनखराबे एवं हत्याओं के रूप में सामने आता है जो पिछले कुछ महीनों में देखने को मिलता रहा है। शिवसेना (टकसाली) के नेता सुधीर सूरी हों या डेरा सच्चा सौदा के अनुयायी प्रदीप सिंह की हत्या की घटना, जिस तरह से बेखौफ आपराधिक तत्वों ने इन घटनाओं को अंजाम दिया, वह सरकार की कानून व्यवस्था के मुंह पर तमाचा है। जो सरकार की नाकामी को ही प्रदर्शित कर रहा है। क्या सरकार को यह नहीं देखना चाहिए कि हथियारों तक लोगों की पहुंच इतनी आसान कैसे होती जा रही है? आखिर राज्य पुलिस का सूचना तंत्र कर क्या रहा है? खुफिया एजेंसियां क्या कर रही हैं? पंजाब ने अपने सीने पर लम्बे समय तक आतंकवाद को झेला है, हिंसा, हत्याओं एवं आपराधिक गिरेहों का यहां इतिहास पुराना है और अब तो यह साफ हो गया है कि राज्य में जिस तरह के अपराध हो रहे हैं, उन्हें अंजाम देने वाले सरगना विदेशों में बैठे हैं। कुछ महीने पहले पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या के बाद तो कोई संदेह ही नहीं रह गया कि राज्य में अपराध किस तेजी से बढ़ रहे हैं। पंजाब को आधार बनाकर विदेशी ताकतें देश में अशांति, अराजकता, अपराध एवं आतंकवाद को पनपाने के लिये अर्थिक एवं अराजक मदद कर रही हैं।

- २८४ -

# सेहत के लिए फायदेमंद है कच्ची सब्जियां



## कच्ची सब्जियां आपके सेहत के लिए कितनी फायदेमंद हैं

- कच्ची सब्जियां में शरीर को पोषण देने वाले जरूरी पोषक तत्व भरपूर मात्रा में मौजूद होते हैं, जिसे खाने से शरीर स्वस्थ होता है।
- भोजन को पचाने में मदद करते हैं। इसमें मौजूद रेशे पाचन तंत्र को ठीक करते हैं।
- कच्ची सब्जियां में मौजूद रेशे पेट में जाकर फैलते हैं जिससे पेट भरा-भरा लगता है।
- कच्ची सब्जियां में मौजूद एंजाइम शरीर के पाचन शक्ति को मजबूत करता है, जिससे खाना अच्छे से पचता है।
- कच्ची सब्जियां और फल खाने से पेट भरा-भरा लगता है, जिससे मोटापा कम किया जा सकता है।
- कच्ची सब्जियां खाने का पूरक होती है जिससे आप ओवरवैटिंग से बच जाते हैं और शरीर में अतिरिक्त वसा नहीं जाती है।
- कच्ची सब्जियां मसालेदार भोजन को अच्छे से पचाने में सहायता करती है।
- कच्ची सब्जियां को पकाने के बाद उनके पोषक तत्व समाप्त हो जाते हैं, जबकि कच्ची सब्जियां में सारे पोषक तत्व मौजूद होते हैं।
- कच्ची सब्जियां में एंटी ऑक्सीडेंट होता है जिससे रक्तचाप की समस्या नहीं होती है।
- कच्ची सब्जियां और कच्चे फल खाने से कई बीमारियां जैसे - कैंसर, डायबिटीज आदि से बचाव होता है।
- कच्ची सब्जियां में विटामिन और खनिज मौजूद होता है जिससे शरीर स्वस्थ और मजबूत होता है।
- कच्ची सब्जियां महिलाओं के लिए बहुत फायदेमंद हैं। इसे खाने से महिलाओं के मसिक धर्म में समस्या नहीं होती है।

## कच्ची सब्जियों को प्रयोग करने के तरीके

- ◆ कच्ची सब्जी और फलों को लंब और डिनर में शामिल किया जा सकता है।
- ◆ कच्ची सब्जियों को सलाद के रूप में प्रयोग किया जा सकता है।
- ◆ अगर आप पिंज़ा खाने जा रहे हैं तो उससे पहले कच्ची सब्जी के रूप में सलाद खाइए।
- ◆ अगर आपको आइसक्रीम खाने का मन है तो उससे पहले एक सेब खा सकते हैं।
- ◆ सुबह ब्रेकफास्ट के समय कच्चे फलों का सेवन किया जा सकता है। इससे शरीर में ब्रेकफास्ट ऊर्जा रहेगी।
- ◆ कच्ची सब्जी के रूप में पत्तोंगीधी, प्याज, पालक, मशरूम, हरी मिर्च, हरी मटर, मूँग, शिमला मिर्च, मूली, खीरा आदि खाने में शामिल कर सकते हैं।
- ◆ दिशेज़ों के अनुसार खाने में कम से कम एक कच्ची सब्जी का प्रयोग अवश्य करना चाहिए। इससे कई बीमारियां दूर होती हैं और शरीर स्वस्थ रहता है।

कच्ची सब्जियों में शरीर को पोषण देने वाले जरूरी पोषक तत्व भरपूर मात्रा में मौजूद होते हैं। इसमें खाने से शरीर स्वस्थ होता है। भोजन को पचाने में मदद करते हैं। इसमें मौजूद रेशे पेट में जाकर फैलते हैं जिससे पेट भरा-भरा लगता है।

कच्ची सब्जियों में शरीर से शरीर स्वस्थ होता है। भोजन को पचाने में मदद करते हैं। इसमें मौजूद रेशे पाचन तंत्र को ठीक करते हैं।

मुद्दों पर आधारित धूकीकरण ही देश के लिए लाभदायक होगा। बिहार में अब घर की छतों पर उगेंगी सब्जियां। अगर आप अच्छी सेहत बनाना चाहते हैं तो अपने भोजन में कच्ची सब्जियों को शामिल कीजिए। कच्ची सब्जियों खाने से सेहत अच्छी होती है। हर रोज न केवल लंब और डिनर में ब्रेकफास्ट में भी कच्ची सब्जियों और फलों का सेवन करने के लिए बहुत फायदेमंद है। इसे खाने से महिलाओं के मसिक धर्म में समस्या नहीं होती है।

फलों का सेवन कीजिए। कच्चे फल और सब्जियां भोजन को अच्छे से पचाने में सहायता करते हैं। इसके साथ-साथ कच्ची सब्जियों में जरूरी पोषक तत्व होता है जिससे शरीर को भरपूर मात्रा में पोषण मिलता है। कच्ची सब्जियों में मौजूद पोषक तत्व और रेशे पेट की बीमारियों को दूर कर शरीर को स्वस्थ बनाते हैं।

# लाइम रोग क्या है इसके लक्षण, इलाज व बघाव के उपाय

इलाज के लिए डॉक्टर एंटीबायोटिक्स का इस्तेमाल करते हैं, जिससे वह ठीक हो जाती है। भारत में हालांकि इस रोग के दुर्लभ मामले ही सामने आए हैं, लेकिन अमेरिका में वह बड़ीलालत में फैला है। लाइम रोग कैसे फैलता है और आप कैसे इससे बच सकते हैं जानिएं यहाँ।

**क्या है लाइम रोग ? :** यह एक प्रकार का संक्रामक रोग है जो बोरेलिया बर्गडोरफेरी नामक बैक्टीरिया की वजह से होता है।

**लाइम रोग कैसे फैलता है ? :** यह एक अतिरिक्त व्यापक रोग है जो बोरेलिया बर्गडोरफेरी के काटने से होता है। भारत में हालांकि इस रोग के दुर्लभ मामले ही सामने आए हैं, लेकिन अमेरिका में वह बड़ीलालत में फैला है। लाइम रोग कैसे फैलता है और आप कैसे इससे बच सकते हैं जानिएं यहाँ।

**लाइम रोग का इलाज :** यह एक संक्रामक रोग है जो बोरेलिया बर्गडोरफेरी नामक बैक्टीरिया की वजह से होता है।

**लाइम रोग के लक्षण :** यह एक संक्रामक रोग है जो बोरेलिया बर्गडोरफेरी नामक बैक्टीरिया की वजह से होता है।

**लाइम रोग के उपचार :** यह एक संक्रामक रोग है जो बोरेलिया बर्गडोरफेरी नामक बैक्टीरिया की वजह से होता है।

**लाइम रोग के लक्षण :** यह एक संक्रामक रोग है जो बोरेलिया बर्गडोरफेरी नामक बैक्टीरिया की वजह से होता है।

**लाइम रोग के उपचार :** यह एक संक्रामक रोग है जो बोरेलिया बर्गडोरफेरी नामक बैक्टीरिया की वजह से होता है।

**लाइम रोग के लक्षण :** यह एक संक्रामक रोग है जो बोरेलिया बर्गडोरफेरी नामक बैक्टीरिया की वजह से होता है।

**लाइम रोग के उपचार :** यह एक संक्रामक रोग है जो बोरेलिया बर्गडोरफेरी नामक बैक्टीरिया की वजह से होता है।

**लाइम रोग के लक्षण :** यह एक संक्रामक रोग है जो बोरेलिया बर्गडोरफेरी नामक बैक्टीरिया की वजह से होता है।

**लाइम रोग के उपचार :** यह एक संक्रामक रोग है जो बोरेलिया बर्गडोरफेरी नामक बैक्टीरिया की वजह से होता है।

**लाइम रोग के लक्षण :** यह एक संक्रामक रोग है जो बोरेलिया बर्गडोरफेरी नामक बैक्टीरिया की वजह से होता है।

**लाइम रोग के उपचार :** यह एक संक्रामक रोग है जो बोरेलिया बर्गडोरफेरी नामक बैक्टीरिया की वजह से होता है।

**लाइम रोग के लक्षण :** यह एक संक्रामक रोग है जो बोरेलिया बर्गडोरफेरी नामक बैक्टीरिया की वजह से होता है।

**लाइम रोग के उपचार :** यह एक संक्रामक रोग है जो बोरेलिया बर्गडोरफेरी नामक बैक्टीरिया की वजह से होता है।

**लाइम रोग के लक्षण :** यह एक संक्रामक रोग है जो बोरेलिया बर्गडोरफेरी नामक बैक्टीरिया की वजह से होता है।

**लाइम रोग के उपचार :** यह एक संक्रामक रोग है जो बोरेलिया बर्गडोरफेरी नामक बैक्टीरिया की वजह से होता है।

**लाइम रोग के लक्षण :** यह एक संक्रामक रोग है जो बोरेलिया बर्गडोरफेरी नामक बैक्टीरिया की वजह से होता है।

**लाइम रोग के उपचार :** यह एक संक्रामक रोग है जो बोरेलिया बर्गडोरफेरी नामक बैक्टीरिया की वजह से होता है।

**लाइम रोग के लक्षण :** यह एक संक्रामक रोग है जो बोरेलिया बर्गडोरफेरी नामक बैक्टीरिया की वजह से होता है।

**लाइम रोग के उपचार :** यह एक संक्रामक रोग है जो बोरेलिया बर्गडोरफेरी नामक बैक्टीरिया की वजह से होता है।

**लाइम रोग के लक्षण :** यह एक संक्रामक रोग है जो बोरेलिया बर्गडोरफेरी नामक बैक्टीरिया की वजह से होता है।

**लाइम रोग के उपचार :** यह एक संक्रामक रोग है जो बोरेलिया बर्गडोरफेरी नामक बैक्टीरिया की वजह से होता है।

**लाइम रोग के लक्षण :** यह एक संक्रामक रोग है जो बोरेलिया बर्गडोरफेरी नामक बैक्टीरिया की वजह से होता है।

**लाइम रोग के उपचार :** यह एक संक्रामक रोग है जो बोरेलिया बर्गडोरफेरी नामक बैक्टीरिया की वजह से होता है।

**लाइम रोग के लक्षण :** यह एक संक्रामक रोग है जो बोरेलिया बर्गडोरफेरी नामक बैक्टीरिया की वजह से होता है।

**लाइम रोग के उपचार :** यह एक संक्रामक रोग है जो बोरेलिया बर्गडोरफेरी नामक बैक्टीरिया की वजह से होता है।

**लाइम रोग के लक्षण :** यह एक संक्रामक रोग है जो बोरेलिया बर्गडोरफेरी नामक बैक्टीरिया की वजह से होता है।

**लाइम रोग के उपचार :** यह एक संक्रामक रोग है जो बोरेलिया बर्गडोरफेरी नामक बैक्टीरिया की वजह से होता है।

**लाइम रोग के लक्षण :** यह एक संक्रामक रोग है जो बोरेलिया बर्गडोरफेरी नामक बैक्टीरिया की वजह से होता है।

</div





